**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 950**

**22.12.2017 को दिया जाने वाला उत्तर**

**मध्‍य प्रदेश में रेल परियोजनाएं**

**950. श्री मेघराज जैन:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

1. मध्‍य प्रदेश में चल रही विभिन्‍न रेल परियोजनाओं का परियोजना-वार ब्‍यौरा क्‍या है तथा तत्‍संबंधी वर्तमान स्थिति क्‍या है;
2. निर्धारित समय से पीछे चल रही परियोजनाओं की संख्‍या कितनी है तथा परियोजना-वार इसके कारण क्‍या हैं;
3. विलम्बित परियोजनाओं की लागत में परियोजना-वार कितनी वृद्धि हुई है; और
4. क्‍या निर्धारित या विस्‍तारित समय-सीमा के भीतर इन रेल परियोजनाओं को पूरा न करने के लिए किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है, यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है और यदि नहीं, तो इसके क्‍या कारण हैं?

**उत्तर**

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

मध्‍य प्रदेश में रेल परियोजनाओं के संबंध में 22.12.2017 को राज्‍य सभा में श्री मेघराज जैन द्वारा पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्‍न सं. 950 के भाग (क) से (घ) के उत्‍तर से संबंधित **विवरण।**

(क): इस समय, मध्‍य प्रदेश राज्‍य में आंशिक रुप से अथवा पूर्ण रूप से पड़ने वाली 36 परियोजनाओं में 8 नई लाइनें, 5 आमान परिवर्तन और 23 दोहरीकरण परियोजनाएं शामिल हैं, जो निष्‍पादन के विभिन्‍न चरणों में हैं। इन परियोजनाओं का ब्‍यौरा निम्‍नानुसार है:

(` करोड़ में)

| **क्र. सं.** | **परियोजना का नाम** | **लंबाई (किमी में)** | | **स्‍वीकृति का वर्ष** | | **नवीनतम प्रत्‍याशित लागत** | | **मार्च, 2017 तक व्‍यय** | | **परिव्‍यय 2017-18** | | **वर्तमान स्थिति** | |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **नई लाइनें** | | | | | | | | | | | | | | |
| 1. | ललितपुर-सतना, रेवा-सिंगरौली एवं महोबा-खजुराहो | 541 | | 1997-98 | | 3500 | | 1210 | | 301 | | ललितपुर-खजुराहो-महोबा (229.5 किमी): यातायात के लिए खोल दिया गया है। खजुराहो-पन्‍ना (70.55 किमी) एवं सिद्धी-सिंगरौली (78 किमी): भूमि अधिग्रहण कार्य शुरू कर दिए गए हैं। पन्‍ना-सतना (72.60 किमी): मिट्टी संबंधी और छोटे पुलों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं। सतना-रेवा (50 किमी): मौजूदा बड़ी आमान रेल लाइन. रेवा-सिद्धी (88.75 किमी): रेवा-गोविंदगढ़ (20 किमी) के बीच भूमि अधिग्रहित कर ली गई है। मिट्टी संबंधी, छोटे/बड़े पुलों का कार्य शुरू कर दिया गया है। | |
| 2. | रामगंजमंडी-भोपाल | 262 | | 2000-01 | | 2348 | | 637 | | 200 | | रामगंजमंडी-झालावर (26.5 किमी): यातायात के लिए खोल दिया गया है।  झालावार-नयागांव (48 किमी): मिट्टी संबंधी, छोटे/बड़े पुलों का कार्य शुरू कर दिया गया है। किमी 146 से 156 के बीच 10 किमी को छोड़कर 165 किमी तक भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा कर लिया गया है।  शेष भाग में भूमि अधिग्रहण कार्य शुरू कर दिया गया है। | |
| 3. | छोटा उदयपुर-धार | 158 | | 2007-08 | | 1825 | | 390 | | 141 | | छोटा उदयपुर-मोतीसादली (22.30 किमी): पैसेंजर गाडि़यों को चलाने के लिए सीआरएस का अनुमोदन प्राप्‍त हो गया है। मोतीसादली-अलीराजपुर (26.40 किमी): कार्य पूरा होने के अंतिम चरण में है। अलीराजपुर-धार (110 किमी): भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं। | |
| 4. | अमझेरा (4.82 किमी) के रास्‍ते संरेखण में परिवर्तन हेतु एमएम सहित दाहोद-इंदौर बरास्‍ता सरदारपुर, झबुआ एवं धार (200.97 किमी) | 206 | | 2007-08 | | 1942 | | 414 | | 140 | | इंदौर-तिही (20.42 किमी): यातायात के लिए शुरू कर दिया गया है।  तिही-पिथमपुर एवं झबुआ-सरदारपुर: मिट्टी संबंधी छोटे पुल एवं सुंरग संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं.  पिथमपुर-सागौर (9.12 किमी): मिट्टी संबंधी कार्य एवं छोटे पुलों संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं। सागौर-अमझेरा एवं पितोल -कटवारा: भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।  झबुआ-पितोल (14.66 किमी): मिट्टी संबंधी कार्य, आरओबी/आरयूबी कार्य शुरू कर दिए गए हैं.  कटवारा-दाहोद (11.32 किमी): भूमि अधिग्रहित कर ली गई है. मिट्टी संबंधी कार्य एवं सभी पुलों संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए है. गिट्टी की आपूर्ति एवं रेलपथ जोड़ने का कार्य शुरू कर दिया गया है. | |
| 5. | रतलाम-दुर्गापुर बरास्‍ता बांसवाड़ा | 176 | | 2011-12 | | 3450 | | 222 | | 91 | | परियोजना को रोक दिया गया है क्‍योंकि राजस्‍थान सरकार ने परियोजना की लागत में भागीदारी करने में असहमति जताई है। | |
| 6. | इंदौर-जबलपुर | 342 | | 2016-17 | | 4320 | | - | | 1 | | नए कार्य को बजट 2016-17 में शामिल किया गया है बशर्ते अपेक्षित सरकारी अनुमोदन प्राप्‍त हो. | |
| 7. | इंदौर-मनमाड बरास्‍ता मालेगांव | 368 | | 2016-17 | | 9968 | | - | | 150 | | नए कार्य को बजट 2016-17 में शामिल किया गया है बशर्ते अपेक्षित सरकारी अनुमोदन प्राप्‍त हो. | |
| 8. | नीमच-बड़ी सादड़ी | 48 | | 2017-18 | | 475 | | - | | 1 | | नए कार्य को बजट 2017-18 में शामिल किया गया है बशर्ते अपेक्षित सरकारी अनुमोदन प्राप्‍त हो. | |
| **आमान परिवर्तन** | | | | | | | | | | | | | | |
| 1. | बालाघाट-कटंगी (285 किमी) एवं कंटगी-तिरोड़ी नई लाइन (15 किमी) एमएम सहित जबलपुर-गोंदिया | 300 | | 1996-97 | | 1544 | | 1235 | | 154 | | एमओआईएल लिमिटेड साइडिंग सहित गोंदिया-कटंगी (90 किमी) और जबलपुर--सुकरीमंगेला- नैनपुर (113.59 किमी): यातायात के लिए शुरू कर दिया गया है.  नैनपुर-बालाघाट (77 किमी): मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे/बड़े पुलों, आरओबी, आरयूबी, गिट्टी आपूर्ति कार्य शुरू कर दिए गए हैं.  कटंगी-तिरोडी (15 किमी) (नई लाइन): वन संबंधी मंजूरी प्राप्‍त हो गई है. भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 2. | छिंदवाड़ा-नागपुर | 150 | | 2005-06 | | 1101 | | 998 | | 181 | | छिंदवाड़ा-भंडारकुंड (34 किमी): पैसेंजर गाडि़यों को चलाने के लिए 17.10.2017 को सीआरएस का अनुमोदन प्राप्‍त हो गया है।  मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे/बड़े पुलों, आरओबी/आरयूबी, शेष भाग में सुरंग संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 3. | फतेहाबाद-चंद्रावती गंज-उज्‍जैन (22.96 किमी) नए एमएम सहित रतलाम-मऊ-खंडवा-अकोला (472.64 किमी) | 496 | | 2008-09 | | 2265 | | 955 | | 320 | | रतलाम-मऊ (129 किमी): यातायात के लिए खोल दिया गया है.  मऊ-सानावाड़ (76.12 किमी): भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं.  सानावाड़-खंडवा (63 किमी): मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे/बड़े पुल, आरओबी/आरयूबी एवं गिट्टी आपूर्ति संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं.  अकोला-अकोट (43.50 किमी): मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे/बड़े पुल, आरओबी/आरयूबी एवं गिट्टी आपूर्ति संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं.  अकोट-अमलाखुर्द (78 किमी): वन एवं वन्‍यजीव क्‍लीयरेंस प्रतीक्षारत है.  अमलाखुर्द-अकोला: परियोजना नियोजन स्‍तर पर है.  फतेहाबाद-चंद्रावती गंज-उज्‍जैन (22.96 किमी): बजट 2017-18 में नए एमएम स्‍वीकृत किए गए हैं. | |
| 4. | छिंदवाड़ा-मांडला फोर्ट | 182 | | 2010-11 | | 816 | | 353 | | 182 | | मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे/बड़े पुलों, आरओबी/आरयूबी/एलएचएस कार्य शुरू कर दिए गए हैं. भूमि अधिग्रहण, छोटे-छोटे टुकड़ों में पेड़ काटने की अनुमति अपेक्षित है. | |
| 5. | कोटा तक विस्‍तार सहित ग्‍वालियर-शिओपुरकलां | 284 | | 2010-11 | | 3845 | | 36 | | 75 | | भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| **दोहरीकरण** | | | | | | | | | | | | | | |
| 1. | भोपाल-बीना 3सरी लाइन | | 145 | | 2008-09 | | 1200 | | 1057 | | 100 | | परियोजना पूरा होने के अंतिम चरण में है. 137 किमी लंबाई को पहले ही पूरा कर लिया गया है. | |
| 2. | बुद्धनी-बारखेड़ा 3सरी लाइन | | 33 | | 2010-11 | | 992 | | 53 | | 2 | | भूगर्भीय और भू-तकनीकी सर्वेक्षण कार्य पूरा हो गया है। वन संबंधी मंजूरी प्रतीक्षारत है। | |
| 3. | मलखेड़ी-महादेवखेड़ी के एमएम सहित बीना-कोटा | | 283 | | 2011-12 | | 1486 | | 398 | | 125 | | 103 किमी लंबा भाग पूरा होने के अंतिम चरण में है. शेष खंड में कार्य शुरू कर दिया गया है. | |
| 4. | बारखेड़ा-हबीबगंज 3सरी लाइन | | 41 | | 2012-13 | | 327 | | 77 | | 50 | | मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे पुल और गिट्टी आपूर्ति संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. संरेखण में पेड़ काटने का कार्य शुरू कर दिया गया है. | |
| 5. | इटारसी-बुद्धनी 3सरी लाइन | | 26 | | 2012-13 | | 278 | | 86 | | 30 | | मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे पुलों और गिट्टी आपूर्ति शुरू कर दी गई है. नर्मदा पुल के लिए ठेका प्रदान कर दिया गया है एवं उपसंरचना का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है. | |
| 6. | अनूपपुर-कटनी 3सरी लाइन | | 166 | | 2015-16 | | 1371 | | 400 | | 95 | | अनूपपुर-सिंगपुर (35.10 किमी) सिंगपुर – बंधवा बाड़ा (15 किमी) एवं मुदरिया-करकेली (23 किमी) खंड पूरा होने के अंतिम चरण में हैं. | |
| 7. | बिलासपुर (पेंड्रा रोड)-अनूपपुर 3सरी लाइन | | 50 | | 2015-16 | | 394 | | 128 | | 60 | | सभी सिविल संबंधी कार्य के ठेके प्रदान कर दिए गए हैं. मिट्टी संबंधी कार्य, आरओबी/आरयूबी कार्य और गिट्टी आपूर्ति संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 8. | तिगांव-चिचोंडा घाट खंड 3सरी लाइन | | 17 | | 2015-16 | | 176 | | 62 | | 12 | | 2.02 हैक्‍टेयर के लिए भूमि अधिग्रहण, मिट्टी संबंधी कार्य और छोटे पुलों/आरयूबी संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 9. | मारमाझरी घाट खंड 3सरी लाइन सहित इटारसी-नागपुर (शेष) 3सरी लाइन | | 280 | | 2015-16 | | 2450 | | 46 | | 60 | | धारखो और मारामझरी घाट 3सरी लाइन (13 किमी) को कार्य के साथ जोड़ दिया गया है. एफएलएस का कार्य पूरा कर लिया गया है. 50% भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. नागपुर-दरीमेटा (92 किमी) के लिए भूमि संबंधी प्रस्‍ताव राज्‍य सरकार को प्रस्‍तुत कर दिया गया है. मिट्टी संबंधी कार्य और छोटे पुलों संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 10. | झांसी-बीना 3सरी लाइन | | 153 | | 2015-16 | | 2002 | | 56 | | 430 | | मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे/बड़े पुलों संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 11. | कटनी-बीना 3सरी लाइन | | 279 | | 2015-16 | | 2478 | | 305 | | 254 | | मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे/बड़े पुलों संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 12. | कटनी ग्रेड सेपरेटर बाईपास लाइन | | 22 | | 2015-16 | | 582 | | 20 | | 200 | | अवधारणा योजना अनुमोदि‍त कर दी गई है. एफएलएस शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 13. | कटनी-सिंगरौली | | 261 | | 2015-16 | | 1763 | | 377 | | 225 | | कटनी-बेओहरी, मारवासंग्राम-सिंगरौली, कटंगी-खुर्द-सलहाना और दिओराग्राम-मेहदिया खंडों में मिट्टी संबंधी कार्य और छोटे पुलों संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 14. | मथुरा-झांसी 3सरी लाइन | | 274 | | 2015-16 | | 3678 | | 250 | | 255 | | छोटे और बड़े पुलों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 15. | नीमच-चितौड़गढ़ | | 56 | | 2015-16 | | 390 | | 20 | | 80 | | नीमच-शंभुपुरा (44.12 किमी): मिट्टी संबंधी और गिट्टी आपूर्ति संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं.  शंभुपुरा-चितौड़गढ़ (11.61 किमी): मिट्टी संबंधी कार्य, बड़े पुलों के कार्य और गिट्टी आपूर्ति के कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 16. | रमना-सिंगरौली | | 160 | | 2015-16 | | 2436 | | 150 | | 25 | | रमना-विंधमगंक-दूधीनगर (45.94 किमी): मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे और बड़े पुलों के लिए ठेका प्रदान कर दिया गया है.  दूधीनगर-सिंगरौली (110.39 किमी): मिट्टी संबंधी कार्य और छोटे पुलों के लिए ठेका प्रदान कर दिया गया है. | |
| 17. | सतना-रेवा | | 50 | | 2015-16 | | 403 | | 40 | | 43 | | सतना-कइमा (6 किमी): रेलपथ जोड़ने का कार्य शुरू कर दिया गया है.  कइमा-बघाई (24 किमी): मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे पुलों के कार्य, रेलपथ जोड़ने का कार्य और आरयूबी/एलएचएस शुरू कर दिए गए हैं.  बघाई-रेवा (20 किमी): मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे पुलों, बड़े पुलों एवं गिट्टी आपूर्ति संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 18. | सोनतलई-बगरातवा कहीं-कहीं दोहरीकरण | | 7 | | 2015-16 | | 96 | | 44 | | 40 | | एफएलएस का कार्य पूरा कर लिया गया है. मिट्टी संबंधी कार्य और तवा नदी के महत्‍वपूर्ण पुल एवं छोटे पुलों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 19. | इंदौर-देवास-उज्‍जैन | | 80 | | 2016-17 | | 700 | | - | | 20 | | नए कार्यों को बजट 2016-17 में शामिल किया गया है बशर्ते अपेक्षित सरकारी अनुमोदन प्राप्‍त हो. | |
| 20 | झांसी-खैरार-माणिकपुर एवं खैरार भीमसेन | | 411 | | 2016-17 | | 3000 | | - | | 10 | | नए कार्यों को बजट 2016-17 में शामिल किया गया है बशर्ते अपेक्षित सरकारी अनुमोदन प्राप्‍त हो. | |
| 21 | कटनी में जुकेही कोर्ड लाइन | | 1 | | 2016-17 | | 12 | | - | | 2 | | एफएलएस कार्य पूरे हो गए हैं. भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे पुल के कार्य, आरयूबी एवं रेलपथ जोड़ने के कार्य शुरू कर दिए गए हैं. | |
| 22 | गंभीर पुल का दोहरीकरण नागदा-उज्‍जैन | | 1 | | 2016-17 | | 28 | | - | | 10 | | नए कार्य 2016-17 में स्‍वीकृत किए गए हैं. परियोजना आंरभिक चरण में है. | |
| 23. | अप दिशा में पावरखेड़ा-जुझारपुर सिंगल लाइन फ्लाईओवर | | 12 | | 2016-17 | | 247 | | 116 | | 10 | | भूमि अधिग्रहण संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं. सभी 8 गांवों के लिए फ्लाईओवर हेतु भूमि की संयुक्‍त रूप से जांच कर ली गई है. | |

(ख) से (घ): 2013-14 तक, धनराशि की समग्र सीमित उपलब्‍धता के कारण अधिकांश परियोजनाओं की संतोषजनक प्रगति नहीं हो पा रही थी। 2014-15 से, परियोजनाओं की वास्‍तविक प्रगति के आधार पर लास्‍ट माइल कनेक्टिविटी और मौजूदा मार्गों पर भीड़-भाड़ कम करने संबंधी परियोनाओं को पर्याप्‍त धनराशि दी जा रही है। इस प्रयोजन के लिए, लाभप्रद परियोजनाओं के सुनिश्चित वित्‍तपोषण के लिए मै. भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड से 1.5 लाख करोड़ रु. के ऋण हेतु **संस्‍थागत वित्‍तपोषण** का करार करके क्षमता संर्वधन संबंधी परियोजनाओं के लिए धन की व्‍यवस्‍था की गई है। परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भूमि अधिग्रहण, वन एवं वन्‍य जीवन से संबंधित मंजूरी, वृक्षों को काटना, सेवाओं को शिफ्ट करने, सड़क रख-रखाव एजेंसियों द्वारा ऊपरी और निचले सड़क पुलों का निर्माण जैसे राज्‍य सरकार तथा केंद्रीय मंत्रालयों के विभिन्‍न विभागों से स्‍वीकृतियां, राज्‍य सिंचाई और पॉवर कार्पोरेशनों से अनापत्ति प्रमाणपत्र और कानून एवं व्‍यवस्‍था संबंधी समस्‍याएं, रेल मंत्रालय के नियंत्रण से बाहर होते हैं, पर भी उनका पूरा होना निर्भर करता है। अत: सभी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए समय-सीमा निर्धारित करना व्‍यवहारिक नहीं है।

\*\*\*\*\*